













# शासकीय योजनाओं की ऋण पत्रावलिओं बेवजह निरस्त होने पर होगी कार्यवाही: डीएम

## डीएम की अध्यक्षता में बैंकों जिला जिला स्तरीय पुनरीक्षण समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

### अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कल देर सायंकाल कलेक्टेक्ट सभागार में बैंकों की जिला स्तरीय पुनरीक्षण समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की समीक्षा जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में जिन बैंकों को खाते खोलने के जो भी लक्ष्य निर्धारित है उसको पूर्ण करें और ज्यादा से ज्यादा खाते खोले जायें।

किसान क्रेडिट कार्ड की समीक्षा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के भौतिक लक्ष्य

61303 के सापेक्ष खरीफ की फसल के लिये कुल 42776 भौतिक आवेदन स्वीकृत हुये एवं कुल राशि रूपए 27691.00 लाख का ऋण स्वीकृत किया जा चुका है। घर-घर केसीसी अभियान के सम्बन्ध में बताया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने हेतु अभियान 01.10.2023 से 31.12.2023 तक चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत जन्मपद के कुल 391080 लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड निर्गत किया जाना बाकी है, वंचित लाभार्थियों की बैंक शाखावार सूची सभी बैंक शाखाओं में पोर्टल पर

उपलब्ध करायी गयी है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पंचायत सचिव, लेखपाल एवं पंचायती राज विभाग के कर्मचारियों का सहयोग लिया जाये, लाभार्थियों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाये जायें। उप कृषि निदेशक ने बताया कि घर घर केसीसी अभियान के प्रचार प्रसार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के सम्बन्ध में बताया गया कि 07 अक्टूबर तक 4305 पत्रावलिओं विभिन्न बैंकों में प्रेषित की गई है जिसके सापेक्ष विभिन्न बैंकों द्वारा 3060 पत्रावलिओं में ऋण स्वीकृत कर 2771 पत्रावलिओं में ऋण वितरित किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि

पीएम स्वनिधि योजना के तहत यदि लाभार्थी द्वारा प्रथम किस्त 10 हजार के ऋण की धनराशि यदि निर्धारित समय में जमा कर दी जाती है तो उसे द्वितीय किस्त के रूप में 20 हजार का ऋण उपलब्ध कराया जाये और यदि द्वितीय किस्त की धनराशि समय से जमा कर दी जाये तो तृतीय किस्त के रूप में उसे 50 हजार का ऋण उपलब्ध कराया जाये।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि पीएम स्वनिधि योजना के जो भी आवेदन पत्र बैंक में प्रेषित किये गये हैं ऋण स्वीकृत करने की कार्यवाही की जाये, लापरवाही न बरती जाये। जनपद के सीडी रेशियों की प्रगत बैंकों में

ठीक नही पायी गयी जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्लान बनाकर कार्य करें और सीडी रेशियों की प्रगत में सुधार लाया जाये, जिले की समस्त योजनाओं में ऋण वितरण हेतु सक्रियता के साथ अपना योगदान दें, बैंकों में लोन हेतु जो आवेदन आये, हर बैंक एक रजिस्टर बनाये और उसमें अंकित करें। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में बैंक ऑफ बड़ौदा की प्रगत ठीक नही पायी गयी जिस पर निर्देशित किया गया कि प्रगत में सुधार लायें। अटल पेंशन योजना के सम्बन्ध में बताया गया कि देश के समस्त जनपदों में ग्राम पंचायत स्तर पर दिनांक 01.10.2023 से 31.12.2023 तक जनसुरक्षा

योजना अभियान की शुरुआत की गई है। अन्त में जिलाधिकारी ने बैंक प्रबन्धकों/बैंकों के समन्वयकों को निर्देशित किया कि शासकीय योजनाओं से सम्बन्धित जो भी ऋण पत्रावलिओं लाभार्थियों की बैंकों में प्रेषित की जाये, बेवजह उन पत्रावलिओं को निरस्त न किया जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित बैंकों के खिलाफ उच्चाधिकारियों को पत्र प्रेषित किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी बैंकों एवं एटीएम में सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगवा दिया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नवीनी सेहरा, एलडीएम गोपाल शंकर झा व अन्य सम्बन्धित अधिकारी एवं बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



शिविर में आपरेशन के लिये जाते मरीज।

## नेत्र शिविर में उमड़ी रोगियों की भारी भीड़

ऑपरेशन के लिए चिन्हित मरीजों को ले जाया गया चित्रकूट

### अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** जेटवारा बाजार में भदौरिया मार्केट में सतगुरु नेत्र चिकित्सालय जानकी कुंड चित्रकूट द्वारा लगाए गए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में क्षेत्र के नेत्र रोगियों की भारी भीड़ उमड़ी। शिविर में आई चिकित्सकों की टीम द्वारा मरीजों के परीक्षण के बाद 82 मरीजों को संस्था की बस से चित्रकूट ले जाया गया जहां से ऑपरेशन के बाद उन्हें घर तक वापस पहुंचाया जाएगा।

बता दें कि बीते वर्षों से चित्रकूट के जानकी कुंड में स्थित सतगुरु नेत्र चिकित्सालय द्वारा हर माह की 12 तारीख को समाजसेवी अनन्त सिंह तोमर व पूर्व सैनिक रमेश सिंह भदौरिया के सौजन्य से शिविर लगाकर मरीजों का नेत्र परीक्षण

कर उनका निःशुल्क ऑपरेशन करवाया जाता है। अब तक संस्था द्वारा सैकड़ों मरीजों का ऑपरेशन करवाया जा चुका है। गुरुवार को भी भदौरिया मार्केट जेटवारा में कैम्प लगवाया गया। जिसमें संस्था के चिकित्सक स्टाफ द्वारा कुल 128 मरीजों का परीक्षण किया गया और ऑपरेशन के लिये 82 मरीजों को चिन्हित कर उन्हें ऑपरेशन के लिए चित्रकूट ले जाया गया। जहाँ उन्हें निःशुल्क इलाज ऑपरेशन भोजन नास्ते के साथ इलाज के बाद मरीजों को घर तक पहुंचाया जाएगा। शिविर का शुभारंभ भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री अशोक मिश्र ने किया। इस दौरान चिकित्सक श्रीकांत पांडेय आलोक मिश्र विकास पांडेय मंजू व प्रदीप ने रोगियों का नेत्र परीक्षण किया।

## कबड्डी प्रतियोगिता में प्रयागराज ने मिर्जापुर की टीम को हराया

### अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** क्रीड़ा विभाग एवं कबड्डी एसोसिएशन के समन्वय से स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे तीन दिवसीय सब जूनियर बालक वर्ग प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन उ.प्र.कबड्डी एसोसिएशन के महासचिव राजेश कुमार सिंह, जोनल ईंचार्ज मो.अकरम, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी विमला सिंह व शिक्षक नेता त्रिलोचन सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभारंभ किया। प्रयागराज ने मिर्जापुर की टीम 25-18 के अंतर से शिकस्त दी। आजमगढ़ और बस्ती का मैच 27-27 अंक के साथ टाई रहा। दिवसभर मुकाबले में सैफई हास्टल ने सहारनपुर को 27-26

## क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी ने खिलाड़ियों से प्राप्त किया परिचय

के अंतर से पराजित किया। वाराणसी ने मेरठ को 53-36, बस्ती ने झांसी को 22-19, वाराणसी ने लखनऊ को 49-11 अमेठी हास्टल ने अयोध्या को 35-31, आगरा ने मुरादाबाद को 36-29 मेरठ ने झांसी को 36-12, अलीगढ़ ने बरेली को 42-28, मेरठ ने आजमगढ़ को 31-17, सैफई हास्टल ने बरेली को 19-05, अलीगढ़ ने सहारनपुर 56-53 के अंतर से पराजित किया। अक्लीश राय, मनोज सिंह, पीके

पांडेय,दसरथ पाल, शशि सिंह, वीरेंद्र पाल, कन्हैया लाल, हुबलाल, कमलेश, निर्णायक रहे जबकि मो.आसिफ, शिखा सिंह, प्रशांत सिंह, मीतू सिंह, गोपी यादव, विनीत ने स्कोरिंग किया। क्रीड़ाधिकारी पूनम लता राज एवं जिला कबड्डी एसोसिएशन के सचिव डा. धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन आदित्य शुक्ल ने किया। जिला व्यायाम शिक्षक राम कुमार सिंह, कर्मराज सिंह मंजीत, कोशलेंद्र प्रताप सिंह, रामेंद्र प्रताप सिंह, लालजी त्रिपाठी, जेपी यादव, सचिन शुक्ल, स्काउट मास्टर सुशील कुमार सिंह, विद्या सागर सिंह आदि मौजूद रहे।

## सफाई, शुद्ध पेयजल पर लखनऊ से आए अधिकारियों ने सभासदों को दिये टिप्स

### सिद्धार्थ होटल में हुई कार्यशाला का एडीएम ने किया शुभारंभ

#### अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** उत्तर प्रदेश राज्य सेप्टेज पालिसी एण्ड यूज्ड वाटर प्रबंधन पर क्षेत्रीय नगर एवं पंचायत अध्ययन केन्द्र लखनऊ द्वारा नगर के सिद्धार्थ होटल में एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ एडीएम वित्त एवं राजस्व त्रिभुवन नाथ विश्वकर्मा ने कहा कि लखनऊ से आए विशेषज्ञों से सभासदों को अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त



कार्यशाला में जानकारी देती डा0 उर्वशी व डा0 अंजली।

करने का अवसर मिला है। इस अवसर पर लखनऊ से आई डा0 उर्वशी एवं डा0 अंजली मिश्रा ने नगर पालिका व नगर पंचायतों के

अध्यक्षों व सभासदों को बताया कि खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल प्रयोग करने, सिंगल प्लास्टिक का प्रयोग न करने व घर-घर कूड़ा

एकत्रित करने की व्यवस्था को मजबूत बनाने के अनेक सुझाव दिये।

इसके अलावा शहर के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के बारे में बताया गया कि गंदे पानी को शुद्ध करने के लिये यह प्लांट लगाया गया है। इस मौके पर नगर पालिका के ईओ राम अचल कुरील, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, नगर पंचायत अंतू के चेयरमैन सदीप कुमार सोनी, नगर पंचायत दख्खा के चेयरमैन अशोक त्यागी के अलावा नगर पालिका के सभासदों में दीपक उमरवैश्य, मुफीज, अमृत लाल सहित अनेक सभासद मौजूद रहे।

## वादी की फर्जी हस्ताक्षर बनाकर शिकायत का कर दिया निस्तारण, डीएम से शिकायत

**लालगंज, प्रतापगढ़।** तहसील क्षेत्र के कटेया नेवादा निवासी पवन कुमार सिंह ने जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर राजस्वकर्मी को आवेदक की फर्जी हस्ताक्षर बनाकर आईजीआरएस की शिकायत के निस्तारण करने का आरोप लगाया है। पांडित के अनुसार उसने ग्राम समाज की जमीन को लेकर आईजीआरएस पर शिकायत की थी। आरोप है कि लालगंज तहसील में तैनात राजस्वकर्मियों ने शिकायत की जांच का फर्जी तरीके से निस्तारण कर दिया। निस्तारण के बाद पुष्टि फर्जी हस्ताक्षर बनाकर आख्या भी अपलोड कर दी। जबकि अधिकारियों ने न तो प्रार्थी से शिकायत के बावत कोई बात की और न ही किसी प्रकार के हस्ताक्षर बनवायी।

## कांटे की लड़ाई में रोहित शुक्ला अध्यक्ष व संतोष कुमार सिंह बने जूबाए के महामंत्री

### फूल-मालाओं से लादकर अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

#### अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** जूनियर बार एसोसिएशन पुरातन का आज चुनाव परिणाम दो दिन की मतगणना के बाद गुरुवार की शाम आया तो कांटे की लड़ाई में अध्यक्ष व महामंत्री के पद पर रोहित शुक्ला व संतोष कुमार सिंह निर्वाचित घोषित हुए।

रोहित शुक्ला को 531 मत और उनके निकटतम प्रतिद्वन्दी भानु प्रताप सिंह को 519 वोट मिले हैं। इस तरह 12 मतों से प्रतिद्वन्दी को पिछड़कर रोहित शुक्ला अध्यक्ष निर्वाचित हो गये। अध्यक्ष पद पर करुणा शंकर को 459 मत मिले



फूल मालाओं से नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत करते अधिवक्तागण

हैं। महामंत्री पद पर संतोष कुमार सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी विवेक त्रिपाठी को 30 मतों से हराकर महामंत्री पद हासिल किया। संतोष कुमार को 614 मत व विवेक त्रिपाठी को 584 मत मिले थे। इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर रवीन्द्र कुमार रावत और उपाध्यक्ष राम अवध मिश्र व शक्ति सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अरविन्द व

श्रीकृष्ण, संयुक्त मंत्री विक्रम सिंह व दीपू मिश्रा व कोषाध्यक्ष सम्पूर्णानंद चुने गये। बता दें कि जूनियर बार एसोसिएशन का चुनाव के बाद बुधवार को सुबह मतगणना शुरू हुई थी, तभी से अध्यक्ष पद पर रोहित शुक्ला मामूली बढ़त बनाए हुए थे। बुधवार को नौ राउण्ड की मतगणना हुई थी। आज बचे मतों की मतगणना हुई। मतगणना के लिये

14 टेबल लगाई गई थी। एल्टर कमेटी के सदस्यों देव नारायण शुक्ल की अध्यक्षता में यह चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। इसके चुनाव अधिकारी अधिवक्ता राजेंद्र सिंह जरियारी थे। मतगणना में अंत तक प्रतिद्वन्दीयों में आपस में ऊहापह बनी रही। चुनाव परिणाम की घोषणा होते ही अध्यक्ष, महामंत्री को अधिवक्ताओं ने फूल-मालाओं से लाद दिया और ढोल-ताशों की धुन पर जश्न मनाते हुए नारे लगाये। कम मतों से हारने वाले भानु प्रताप सिंह को उनके समर्थकों ने उन्हें सांत्वना दी कि उन्होंने जबरदस्त टक्कर दी। बता दें कि रोहित शुक्ला पहले भी जूबाए के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह व्यवहार कुशल नेता हैं इसलिये उन्हें इस बार भी अंतर्विरोधों के बावजूद उन्हें जीत मिली। उनकी जीत पर समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया।

## विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने दर्ज किया हत्या का मुकदमा

**परियावा, प्रतापगढ़।** जनपद के संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के भददू डीह गांव में सदिग्ध परिस्थितियों में हुई विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। बता दें कि मृतिका के पिता श्याममूर्ति पांडेय निवासी पूरे शीतल पांडे का पुरवा बरियावां थाना नवावगंज ने 11 अक्टूबर 23 को संग्रामगढ़ पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया जिसमें आरोप लगाया है कि मेरी पुत्री आशुषी की शादी वर्ष 2018 में संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के भददू डीह निवासी अंकित पांडेय पुत्र भरतलाल पांडेय के साथ हुई थी। आरोप है कि मेरी पुत्री की ससुरालीनों द्वारा दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जाने लगा। इस दौरान आशुषी 8 अक्टूबर 2023 को सदिग्ध परिस्थितियों में पंखे के सहारे दुपट्टे में मृत अवस्था में लटक रही थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए संग्रामगढ़ थाना प्रभारी इंद्रदेव ने मृतिका के पिता श्याममूर्ति पांडेय की तहरीर पर ससुरालीनों ने मुकदमा दर्ज किया है।

## प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त: डा0 वीरेंद्र लोकजन सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कुंडा में किया गया स्वागत

### अखंड भारत संदेश

**परियावा, प्रतापगढ़।** प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। सर्वत्र अराजकता का माहौल देवरिया, कोशांबी व कानपुर देहात में हुई हत्याएं इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रदेश में कोई भी व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है।

उक्त बातें लखनऊ से बनारस जाते समय कुंडा पहुंचे लोकजन सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. वीरेंद्र विश्वकर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार दलितों व पिछड़े वर्ग के साथ भेदभाव कर रही है। इसका खिलाफ आने वाले लोकसभा चुनाव में सरकार को धुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देवरिया में हत्याप्रतिष्ठों के घर बुलडोजर देहात जिले के जाबजहांपुर निनाथ में विश्वकर्मा समाज के दो सगे भाईयों की हत्या में शामिल दो आरोपित अभी तक फरार हैं उनके यहां बुलडोजर



राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करते कार्यकर्ता।

की कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि सरकार दलितों व पिछड़े वर्ग के साथ भेदभाव कर रही है। डा. वीरेंद्र ने कहा कि उन्होंने अपने पार्टी पदाधिकारियों के साथ कानपुर देहात के शाहजहांपुर निनाथ गांव पहुंचकर मृतक के परिवार से मुलाकात किया मृतक परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ही दयनीय है लेकिन इसके बाद भी सरकार की तरफ से पीड़ित परिवार को कोई आर्थिक सहायता नहीं दी गई। यही नहीं सरकार को कोई भी प्रतिनिधि मृतक के घर शोक जताने के लिए नहीं पहुंचा उन्होंने पीड़ित परिवार को पांच करोड़ रूपए की आर्थिक सहायता मृतक के बेटों

को नौकरी आरोपितों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने व मृतक के परिवार की सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस व सुरक्षाकर्मी दिलाए जाने की मांग की। इस दौरान युवा नेता स्वास्तिक विश्वकर्मा, प्रदीप विश्वकर्मा, सौरभ विश्वकर्मा, प्रेम विश्वकर्मा आदि ने उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव राजेश कुमार, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सभाजीत, पार्टी संस्थापक राजकुमार, राम आसरे पटेल, रघु विश्वकर्मा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गौरी शंकर, रवि शंकर पटेल, शंभर चैहान, सुनील चैहान आदि मौजूद रहे।

## उपवास पर बैठे कांग्रेसी, काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

### अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** सूचना का अधिकार विभाग कांग्रेस का एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम धरना सूचना का अधिकार दिवस पर अंबेडकर चैराहे पर सूचना का अधिकार विभाग जिला अध्यक्ष शिवम मिश्रा के अध्यक्षता में हुआ। जिसका संचालन कांग्रेस कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी ने किया कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर विरोध दिवस भी मनाया। कार्यक्रम के बाद सूचना का अधिकार विभाग के जिला अध्यक्ष शिवम मिश्रा ने कहा सरकार जन सूचना का अधिकार खत्म करने की साजिश रच रही है, उन्होंने कहा आज आम आदमी को सूचना मांगने पर परेशान किया जाता है। सरकारी

विभाग इस पर ध्यान न देकर सूचना देने में लापरवाही करते हैं। सेवा दल जिला अध्यक्ष महेंद्र



काली पट्टी बांधकर उपवास पर बैठे कांग्रेसी।

शुक्ला ने सरकार पर जन सूचना का अधिकार से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा देश की सरकार तानाशाही पर उतारू है कार्यक्रम में कांग्रेस कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी मोहम्मद इश्तियाक राम रतन तिवारी सुधीर तिवारी फतेह बहादुर सिंह शाहिना आलम पाशुपत उपाध्याय राम शिरोमणि वर्मा, कृष्णकांत शुक्ला, इजहार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे वेदांत तिवारी कोषाध्यक्ष कार्यालय प्रभारी जिला

## सपाईयों ने मनाई डा0 राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि

### श्रद्धांजलि देकर की गई गोष्ठी का आयोजन

#### अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** समाजवादी पार्टी कार्यालय मीराभवन पर प्रखर समाजवादी नेता डॉ.राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष आशुतोष पांडेय एवं संचालन जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ. लोहिया मानव की स्थापना के पक्षधर समाजवादी थे। वह समाजवादी भी इस अर्थ में थे कि, समाज ही उनका कार्यक्षेत्र था और वह अपने कार्यक्षेत्र को जनमंगल की अनुभूतियों से महकाना चाहते थे। वह चाहते थे कि व्यक्ति-व्यक्ति के बीच कोई भेदभाव न रहे। सभी लोग समान ही।



डा0 लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण करते सपा पदाधिकारी।

उन्होंने हमेशा विश्व-नागरिकता का सपना देखा था। वह मानव-मात्र को किसी देश का नहीं बल्कि विश्व का नागरिक मानते थे। जनता को वह जनतंत्र का निर्णायक मानते थे। डॉ. लोहिया अक्सर यह कहा करते थे कि उन पर केवल ढाई आदमियों का प्रभाव रहा, एक मार्क्स का, दूसरे गांधी का और आधा जवाहर लाल नेहरू का। देश की राजनीति में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान और स्वतंत्रता के बाद ऐसे कई नेता हुए जिन्होंने अपने दम पर शासन का रुख बदल दिया जिनमें से एक

डा.राममनोहर लोहिया भी थे। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष भईराम पटेल, जिला उपाध्यक्ष वासिक खान, अनिल यादव, प्यारेलाल खैरा, गुलाफाम खान, अश्वनी सोनी, अब्दुल हई, सफात अहमद, सुनील यादव, हरीश शुक्ला, असलम खान, आरके मोर्चा, विजय शुक्ला, विशाल मोर्चा, निसार अहमद, राजकुमार विश्वकर्मा, आजाद सिद्दीकी, विकास यादव, फिरोज अहमद, डॉ.एल.ज, शैलेस यादव, मोहम्मद ईरस, लड्डु भाई, पारसनाथ यादव, अब्दुल खालिक, दयाशंकर सरोज, कल्लू

## मिस्त्री, इस्लाम अंसारी, विजय यादव, मीडिया प्रभारी वकार अहमद, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनीष पाल सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

## निमंत्रण के बहाने बाइक लेकर फरार हुआ पड़ोसी, दी गई तहरीर

**लालगंज, प्रतापगढ़।** लालगंज कोतवाली के सराय रायजू निवासी छोटे लाल पाल पुत्र सूर्यदीन पाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसकी बहू के भाई सतीश पाल के नाम पंजीकृत बाइक लेकर पड़ोसी ललित पाल पुत्र भोलेनाथ बीती नौ अक्टूबर को एक निमंत्रण में शामिल होने गया था। निमंत्रण जाने के बहाने बाइक लेकर निकला आरोपी तीन दिन बाद भी वापस नहीं लौटा। आरोप है कि पड़ोसी युवक बाइक लेकर भाग निकला। लालगंज कोतवाल अवन दीक्षित ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।







## संपादकीय

### भारत में हर तीसरी महिला गठिया की शिकार है

अंतरराष्ट्रीय ऑस्टियोपोरोसिस दिवस 12 अक्टूबर को मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक दिवस मनाये जाते हैं उनमें एक यह भी है। लगभग सभी दिवसों का प्रयोजन सामान है। अर्थात् समाज में में वेतना और जागरूकता फैलाना। ऑस्टियोपोरोसिस को हम आर्थराइटिस के नाम से भी जानते हैं। यह हड्डियों से सम्बंधित रोग है। इसके रोगी आपको घर घर में मिलेंगे। बताया जाता है कि यह रोग 45 साल से अधिक आयु के लोगों में साधारणतय मिलता है। इसके पीछे के कारणों पर गौर करें तो आधुनिक जीवन शैली एरहन सहन के साथ विटामिन और कैल्शियम की कमी मुख्य जिम्मेदार तत्वों में है। बोलचाल की भाषा में हम इसे गठिया रोग भी कहते हैं। हड्डियों में जकड़न एसूजन और जोड़ों में दर्द भी गठिया में आम बात है। विशेषकर 60 साल से अधिक आयु के लोगों को यह रोग अधिक परेशान करता है। यह भी कहा जाता है कि हमारे देश में हर तीसरी महिला इसकी शिकार है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस रोग में दवा कम काम करती है। योग और व्यायाम को वरदान माना गया है। विटामिन डी और कैल्शियम की पूर्ति करने वाले दूध के उत्पादन और रेशे युक्त सब्जियां और फल रोग के निदान में काफी सहायक होते हैं। बचाव ही इसका उपचार है। हड्डियां मजबूत होगी तो व्यक्ति निरोगी रहेगा। आर्थ्राइटिस को आम बोलचाल की भाषा में गठिया कहते हैं। इस समय देश में एक करोड़ 80 लाख लोग आर्थराइटिस के शिकार हो गए हैं। गौरतलब है कि रोजाना शरीर के जोड़ विभिन्न तरह से काम करते हैं और घुटने व कुल्हे खासतौर से पूरे शरीर का वजन उठाते हैं। घुटनों के ज्यादा के बीच जैली जैसा एक पदार्थ होता है जिसे कार्टिलेज कहते हैं। यह कुशन या शॉक अब्जॉर्बर का काम करता है। समय के साथ या किसी दुर्घटना में ये कार्टिलेज घिसना शुरू हो जाता है। जिससे हड्डियां एक दूसरे के संपर्क में आ जाती हैं और आपसी राइंड से उनमें दर्द और अकड़न आ जाती है इसे आर्थ्राइटिस कहते हैं।

पुरी दुनिया में हर तीन में से एक महिला और हर पांच में से एक पुरुष को ऑस्टियोपोरोसिस से फ्रैक्चर का खतरा

बना रहता है। कहीं यह खतरा आप तक न पहुंच जाए इसलिए अभी से सावधान हो जाएं और कुछ खास बातों पर ध्यान दें। बता रही हैं ऑस्टियोपोरोसिस का शाब्दिक अर्थ पोरस बोन्स है। यानी वह बीमारीए, जिसमें हड्डियों की गुणवत्ता और घनत्व कम होने लगता है। हड्डियों की क्षति होने की रूपांतर लगातार और चुपचाप होती है। हमारी हड्डियां कैल्शियमए फॉस्फोरस और प्रोटीन के अलावा कई तरह के मिनेरल्स से मिल कर बनी होती हैं। अनियमित जीवनशैली और बढ़ती उम्र के साथ साथ एरहन सहन होने लगते हैं। जिससे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। कई बार हड्डियां इतनी कमजोर हो जाती हैं कि मामूली चोट से भी फ्रैक्चर हो सकता है। ऑस्टियोपोरोसिस को एक साइलेंट डिजीज माना जाता है। क्योंकि इससे ग्रस्त होने का पता तब तक नहीं चलताए जब तक किसी हड्डी में फ्रैक्चर न हो जाए। ऑस्टियोपोरोसिस होने के कई कारण हैं। जिनमें प्रमुख हैं अनुवंशिक, प्रोटीन, विटामिन डी और कैल्शियम की कमीए व्यायाम न करनाए बढ़ती उम्रए धूम्रपानए डायबिटीजए थाइरॉयड जैसी बीमारियां। दूरे की दवाओंए स्टेरॉयड आदि कुछ दवाओं के सेवन से भी यह समस्या हो सकती है। छोटे बच्चों का बहुत ज्यादा सॉफ्ट ट्रिंक पीनाए महिलाओं में जल्दी पीरियड्स खत्म होना भी इस बीमारी का कारण बन सकता है। यूं तो शुरूआत में दर्द के अलावा ऑस्टियोपोरोसिस के कुछ खास लक्षण नजर नहीं आतेए पर जब बार.बार हल्की.सी चोट लगने पर भी फ्रैक्चर होने लगते हैंए तब पता चलता है कि ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी हो चुकी है। इस बीमारी में शरीर के जोड़में जैसे रीढ़ए कलाई और हाथ की हड्डी में आसानी से फ्रैक्चर हो जाता है। शुरूआत में हड्डियां और मांसपेशियों में हल्का दर्द होता है। लेकिन फिर ये बढ़ता जाता है। खासतौर पर पीठ दबाव पड़ने पर भी तेज दर्द होने लगता है। चूंकि इस बीमारी का पता शुरूआती दौर में नहीं लगताए इसलिए पता लगने तक हड्डियां काफी घिस चुकी होती हैं और कमजोर हो जाती हैं।

# मतदाता जागरूक बने एवं दिखाये अपनी ताकत

-: **ललित गर्ग** :-  
पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उनकी तारीखों का भी ऐलान हो गया है, अब चुनावी बिगुल बज चुका है, राजनीतिक दल एवं उम्मीदवार मतदाताओं को रिझने, लुभाने एवं अपने पक्ष में मतदान करने के लिये तरह-तरह के दावंपंच चलायेंगे, इन लुभावनी छटाओं के बीच एक दिन के राजा यानी मतदाता को सतर्क एवं सावधान होकर अपने मत का उपयोग करना होगा। चुनाव मतदाताओं के हाथ में एकमात्र लेकिन बहुत ही कारगर सवैधानिक अधिकार होता है, जिसके सहारे वे जनप्रतिनिधियों का ही नहीं राष्ट्र का भविष्य निर्धारित-निर्मित करते हैं। इसलिये वक्त की नजाकत को देखते हुए मतदाता किसी प्रलोभन में न आये और देश-हित में सजुन करें। गरीब देश की टूटती संसों को जीने की उम्मीद दें। भ्रष्टाचार में आकंट लिप्त धर्मनियों में ईमानदारी एवं पारदर्शिता का संचार करें। इस वक्त सब-कुछ बाद में, पहले देश-हित की रक्षा और उसकी अस्मिता है, राष्ट्रीय एकता का लक्ष्य है। मतदाता इसी लक्ष्य से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को निर्णायक मोड़ दे सकेगा। मतदाता को जागरूक होकर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने में सहयोग करना होगा। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विस्मृतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहुबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इसलिये पांच राज्यों में राजनीतिक दलों और मतदाताओं की ही नही, चुनाव आयोग की भी परीक्षा होगी।



ये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने का आधार है। लेकिन विडम्बना ही है कि मतदाता अपने अमूल्य वोट को चंद चांदी के टुकड़ों में बेच देता हो, सम्प्रदाय-जाति के उन्माद में योग्य-अयोग्य की पहचान हो खो देता हो, वह मतदाता भला योग्य उम्मीदवार को कैसे विधायी सदनों में भेज पाएगा? नये-नये नेतृत्व उभर रहे हैं लेकिन सभी ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छग गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं एवं निर्णायक हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संसम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक सभ्यता का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि हम सभी ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच पांच राज्यों के चुनावों में हमें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो सकेगी? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों एवं उनके दमगी उम्मीदवारों के पास नहीं है। किसी लोकतंत्र और उनके नुमाइंदों को देखकर इसका भान किया जा सकता है कि

वहां के नागरिक, मौजूदा स्थिति में मतदाता, कितने समझदार और जिम्मेदार हैं। इसी समझदारी का परिचय मतदाताओं को देना है। आधार उनके पास है ही। उन्होंने शासन देखा है, माहौल भोगा है, नीति एवं नियमों की अनदेखी देखी है, अपने जनप्रतिनिधियों को परखा भी है और विपक्षियों को करीब से जाना भी है। वे भलीभांति महसूस कर सकते हैं कि संवेदनशीलता एवं राष्ट्रहित की उम्मीद वे किन से कर सकते हैं, कौन उनका खुद का, उनके परिवार, समाज और राज्य का भला करने वाला है, किसके हाथ में शासन की बागडोर सौंपकर वे निश्चित हो सकते हैं। जैसाकि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छे देखने के लिए बेताब हैं,

उन्के सन्न का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री स्वयं एक नया रास्ता बनाने, लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने एवं चुनाव की खामियों को दूर करने की ठानी है, इसलिये एक नया सूरज तो उदित होगा। लेकिन यह नया सूरज उगाने में मतदाता ही योग्यभूत है। मतदाता को दूरगामी एवं परिपक्व होना होगा, प्रशिक्षित होना होगा, तभी लोकतंत्र सुदृढ़ हो पायेगा एवं चुनाव के

महासंग्राम के नीर-क्षीर से सक्षम एवं ईमानदार जनप्रतिनिधि चुने जा सकेंगे। जबकि अनेक मतदाताओं को अपने हिताहित का ज्ञान नहीं है, इसलिये हित-साधक एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं दल का चुनाव नहीं कर पाते। मतदाता की यह गलती एवं गैर-जिम्मेदारी आजादी के अमृतकाल में विश्राम पाये, इसके लिये इन पांच राज्यों के चुनाव कसौटी के हैं। ये चुनाव इसलिये भी महत्वपूर्ण हैं कि इनको अगले लोकसभा चुनाव की पूर्वपीठिका के तौर पर देखा जा रहा है। इन पांच प्रदेशों से लोकसभा में 83 एवं राज्यसभा में 34 सांसद चुनकर आते हैं, ऐसे में कोई भी राजनीतिक दल इन चुनावों को हल्के में नहीं ले सकता। इन चुनावों के नतीजे आम-चुनाव के लिये हवा बनाने-विगाड़ने का आधार होंगे, इसलिये राष्ट्रीय पार्टियां अपने तरकश सजाने लगी हैं। लेकिन मतदाता इस सजावटी माहौल में अपने विवेक एवं समझ को नये पंख एवं परिवेश दे, स्वयं की जिम्मेदारी को महसूस करें। खुद के होने का भान करायें।

जान-बूझकर से तो कोई भी मतदाता गलती नहीं करता, पर बहकावे, प्रलोभन, जात-पात, मोहमुग्धता एवं अभाव में तो कभी-कभी अज्ञानतावश जनप्रतिनिधि चयन में उनसे राज्यों के चुनावों में मतदाता चाहे तो खुद को और अपने जनप्रतिनिधि को खाई में गिरने से बचाकर राष्ट्र को स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र दे सकता है।

## इजरायल और हम्मास के युद्ध से मानवता पर बढ़ता खतरा

रूस और यूक्रेन के बाद अब इजरायल और हम्मास के बीच धमासा युद्ध के काले बादल विश्व युद्ध की संभावनाओं को बल देते हुए लाखों लोगों के रोजे-सिसकने एवं बर्बाद होने का सबब बन रहे हैं। युद्ध की बढ़ती मानसिकता विकसित मानव समाज पर कलंक का टीका है। हम्मास ने नासमझी दिखाते हुए आतंकी हमला करके सोये शेर को जगा दिया है। आतंकी हमले का पहला राउंड इस मायने में पूरा हुआ माना जा सकता है कि उसे अंजाम देने वाले संगठन हम्मास ने कहा है कि उसका जो मकसद था वह पूरा हो चुका है और अब वह युद्धविराम पर बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन प्रश्न है इजरायल इस हमले पर कैसे शांत रहेगा? उसके यहाँ हुए महाविनाश एवं व्यापक जनहानि के बाद उसके लिये कथित युद्धविराम प्रस्ताव का

कोई अर्थ नहीं है? इजरायली पीपल बेजामिन नेतन्वाहू ने कड़े शब्दों में कहा कि युद्ध शुरू तो हम्मास ने किया है, लेकिन खत्म हम करेंगे। दुश्मनों ने अंदाजा भी नहीं लगाया होगा कि उन्हें इसकी कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी। आज दुनिया से आतंकवाद को खत्म करना प्रमुख प्राथमिकता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में इजरायल के साथ है। भारत युद्ध का अंधारा नहीं, शांति का उजाला चाहता है, लेकिन कोई जबर्न हिंसा एवं आतंक को पनपाना तो उसे निर्यात करने के लिये उचित कदम उठाने की होंगे। हम्मास के सरगना मोहम्मद डेफ ने इस हमले को महान क्रांति का दिन बताते हुए कहा कि हमने इजरायल के विरुद्ध नया सैन्य मिशन शुरू किया है। बस अब बहुत

हो गया। अब हम और बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस पर गुस्साए इजरायल ने भी आधिकारिक तौर पर हद्दमासह के विरुद्ध युद्ध का ऐलान करके इसे ह्वाअप्रेशन आकरन स्वीकर्सह नाम दिया है तथा गाजापट्टी के इलाके में 17 ठिकानों में इजरायल वायु सेना के लड़ाकू जेट विमानों द्वारा ताबड़तोड़ हमले किए जा रहे हैं। जहाँ तक इजरायल की जवाबी कार्रवाई का सवाल तो तो इतना तो तय है कि बात यहीं नहीं रुकेगी, जंग का दूसरा राउंड शायद पहले से ज्यादा भीषण एवं महाविनाशक होगा, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि नेतन्वाहू सरकार इसे किस तरह से अंजाम देगी। फिलहाल इतना ही कहा जा सकता है कि गाजापट्टी उसके हमलों का निशाना बनेगी। गाजापट्टी में हम्मास का प्रभाव जरूर है, लेकिन वहाँ 23 लाख

लोग रह रहे हैं जिनका एक बड़ा हिस्सा हम्मास की गतिविधियों और योजनाओं से अजनब हो सकेगा। ऐसे बेकसूर लोग जिनकी बड़ी संख्या में इजरायली कार्रवाई के शिकार होंगे, मानवाधिकार का सवाल उठने बड़े रूप में उभरेगा और फलस्तीनियों के लिए तथाकथित सहानुभूति की जुट सकती है विश्व शांति, अमन एवं अहिंसक समाज रचना दुनिया की जरूरत है, लेकिन हम्मास जैसी आतंकी सोच इसकी सबसे बड़ी बाधा है, इसलिये हम्मास की जितनी निंदा की जाए कम है। जिस संगठन को बंदूक छोड़कर गाजा पट्टी के विकास में लगना चाहिए, वह संगठन धर्म-अधर्म के रास्ते ताकत सिर्फ इसलिये जुटाता है, ताकि इजरायल के शरीर पर पहले से कहीं गहरा छुरा धंसा सके, मर्माहत आघात कर सके? मासाद बनाम हम्मास की लड़ाई मानो एक

व्यवसाय बन गई है, विकृत एवं हिंसक मानसिकता का स्थायी घर बन चुकी है। दोनों देशों की सत्ताएं आखिर शांति एवं अमन का सबक क्यों नहीं लेती? स्वयं अपने देश में स्थायी शांति के प्रति गंभीर क्यों नहीं होती है? आज उन्हें स्थायी शांति के उपायों पर जोर देना चाहिए, दुनिया को ऐसे देशों की जरूरत है, जो आतंकमुक्ति को सही दिशा में प्रेरित करें, ताकि पश्चिम एशिया के खुर्नी दलदल को हमेशा के लिए एंटा जा सके।

अभी लेबनान की तरफ से हिजबुल्ला के कुछ हमले हुए हैं लेकिन लेबनान सरकार पर आरोपों पर जोर देना चाहिए, दुनिया को ऐसे देशों की जरूरत है, जो आतंकमुक्ति को सही दिशा में प्रेरित करें, ताकि पश्चिम एशिया के खुर्नी दलदल को हमेशा के लिए एंटा जा सके।

अभी लेबनान की तरफ से हिजबुल्ला के कुछ हमले हुए हैं लेकिन लेबनान सरकार पर आरोपों पर जोर देना चाहिए, दुनिया को ऐसे देशों की जरूरत है, जो आतंकमुक्ति को सही दिशा में प्रेरित करें, ताकि पश्चिम एशिया के खुर्नी दलदल को हमेशा के लिए एंटा जा सके।

## पद एक और दावेदार अनेक

देश की हिंदी पट्टी के तीनों राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही सियासी सरगमियां तेज हो गई हैं। तीनों राज्यों में विधानसभा चुनाव की बिसात बिछ चुकी है और सभी दल अपने-अपने हिस्साव से तैयारियों में जुट गए हैं इनमें राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता पर कांग्रेस पार्टी काबिज है वहीं मध्यप्रदेश में भाजपा का परचम फहरा रहा है। राजस्थान में अशोक गहलोतए छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री के पद पर कार्यरत हैं। तीनों ही ओबीसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलेट में आपसी संघर्ष सर्वविदित है। सचिन ने एक बार गहलोत के शासन का तख्ता पलटने का प्रयास किया था मगर सफल नहीं हुए। गहलोत ने सचिन को नक्कारा और निष्कमा घोषित करने देर नहीं की। फिलहाल चुनावी शांति बनी हुई है। टिकटों के वितरण के बाद ही पता चलेगा यह सियासी शांति बनी रहती है या नहीं। कांग्रेस ने

यहाँ सीएम का फेस किसी को घोषित नहीं किया है। गहलोत और सचिन दोनों ही सीएम पद के दावेदार हैं। दूसरी तरफ भाजपा में भी गुटबाजी कम नहीं है एडसी कारण यहाँ सीएम का फेस घोषित नहीं किया गया और मोदी के फेस पर चुनाव लड़ा जा रहा है। भाजपा में वसुंधरा राजे सहित आधा दर्जन नेता सीएम पद के दावेदार हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंहए नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ए सांसद दिया कुमार और किरोड़ी लाल मीणा शामिल हैं। राजे से पार्टी का आलाकमान नाराज चल रहा है। राजस्थान विधानसभा में इस बार भारतीय जनता पार्टी ने सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पिछली बार पार्टी ने वसुंधरा राजे की लीडरशिप में चुनाव लड़ा था। मध्य प्रदेश में हालाँकि कमल नाथ के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव लड़ रही है और वे सीएम फेस भी हैं। मगर भाजपा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को चुनौती देने के लिए भाजपा हाई कमान ने कई भारी भरकम नेताओं को चुनावी मैदान में उतार दिया है।

राज्य में मुख्यमंत्री पद के दावेदार नरेन्द्र सिंह तोमरए कैलाश विजयवर्गीय जैसे नामों को भी विधानसभा चुनाव संग्राम में उतार दिया गया। इनमें कुछ ने तो सरेंआम कह दिया कि पार्टी उन्हें प्महज विधायक बनाने के लिए नहीं लड़वा रही है। वे दूसरे ने कहा कि चुनाव लड़ने का आदेश तो उनके घुंरू ने दिया है जो कुछ ष्बड़ा करने के लिए है। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को सीएम पद के दावेदार नहीं किया है और यहाँ भी राजस्थान की तरह मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा जायेगा। मगर कांग्रेस में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनके ही उप मुख्य मंत्री टीएस सिंहदेव की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इस भांति कहा जायेगा कि तीनों प्रदेशों में सीएम पद के अनेक दावेदार हैं जिनके बीच किसी एक का चुनाव करना इतना सरल नहीं होगा। हालाँकि मोदी का विरोध करने की हिम्मत इस समय किसी नेता में नहीं है क्योंकि भाजपा में अकेले मोदी ही ऐसे नेता हैं जो चुनाव जितवाने में सक्षम हैं।

रमेश सर्राफ़ धमोरा राजस्थान में भाजपा को चुनाव जीतने की कितनी जल्दी बाजी हो रही है। इसका एक उदाहरण हाल ही में सामने आया है। जिससे भाजपा की बड़ी फजीहत हो रही है। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा द्वारा राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ नहीं रहेगा राजस्थान अभियान चलाया जा रहा है। विधानसभा चुनाव से जुड़ा हुआ एक पोस्टर जारी किया गया था। जिस पर एक किसान का फोटो लगाकर लिखा गया था कि राजस्थान में 19000 से अधिक किसानों की जमीनें नीलाम नहीं रहेगा राजस्थान। पोस्टर पर जिस किसान माधुराम की फोटो लगाई गई है उसका कहना है कि पोस्टर में मेरी जमीन नीलाम होने की बात लिखी गयी है। जबकि मेरी तो कोई जमीन नीलाम ही नहीं हुयी है। मुझे पूछे बिना ही मेरी फोटो पोस्टर से हटाकर माफ़ी मंगनी वालिए। पूरे प्रदेश में मेरी फोटो लगे पोस्टर लगने से मेरी बहुत बदनामी हुई है। मेरे पास आज भी 188 बीघा जमीन है। मगर किसी का भी कोई कर्जा नहीं है। करीबन 70 वर्षीय माधुराम जयपाल जैसलमेर जिले के रामदेवरा क्षेत्र के रिखियों की टाणी के रहने वाले हैं। पोस्टर

पर अपनी फोटो आने के बाद उन्होंने भाजपा के जिला स्तरीय नेताओं से संपर्क कर अपनी फोटो हटवाने के लिए बोल दिया है। इस बाबत जैसलमेर जिले के भाजपा अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शारदा का कहना है कि सभी तरह के पोस्टर प्रदेश स्तर से बनावए गए हैं। स्थानीय स्तर पर हमारी जानकारी में ऐसी कोई बात नहीं थी। एक किसान ने आकर बताया था। हम प्रदेश नेतृत्व को अवगत करवा देंगे। माधुराम का कहना है कि 2 महीने पहले दो लड़के हमारे गांव में कैमरे लेकर आए थे। तब उन्होंने बीला था कि हम फसल खराबे की रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। सरकार के सामने आपके फसल खराबे की रिपोर्ट रखेंगे। तब उन्होंने मेरी फोटो ली थी। उमर उन्होंने मुझे नहीं बताया था कि पोस्टर पर मेरी फोटो लगाई जाएगी। किसान माधुराम के सबसे छोटे बेटे जुगताराम का कहना है कि जब से मेरे पिताजी को पोस्टरों पर उनकी फोटो लगने के बारे में पता लगा है तब से वह बहुत टेंशन में रहने लगे हैं। मुझे बार-बार पूछते हैं कि वह फोटो हट्टी कि नहीं। मेरी बहुत बदनामी हो गई। मेरे पिताजी को बहुत तकलीफ हो रही है। हम लोग भाजपा के नेताओं से प्रार्थना करते हैं कि पोस्टरों से मेरे पिताजी की फोटो को हटाव दें। इस तरह की घटनाओं से राजनेताओं ने तो अपना स्वार्थ साध लिया है। मगर गांव में रहने वाले एक इज्जतदार किसान की

इज्जत तो खराब हो गई जिसकी भाजपा कैसे भरपाई कर पाएगी। भाजपा नेताओं को चाहिए कि कोई भी कार्य करने से पहले उसे अच्छी तरह से जांच परख कर ही आगे बढ़ायें। जिस तरह की घटना एक गरीब किसान माधुराम के साथ घटी है उस घटना को उसका परिवार जन्म-जन्मांतर तक नहीं भूला सकेगा। जिन पोस्टरों के बल पर भाजपा राजस्थान में सरकार बटलाने के लिए हवा बन रही है। वह पोस्टर ही फुस्स हो गया। भाजपा के एक झूठ ने पूरे अभियान की हवा निकाल कर रख दी है। इसी तरह सिरौही जिले के रेवदर करसे में एक अति उत्साही भाजपा नेता ने अपने बेनरों पर प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के स्थान पर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी की फोटो लगे बैनर बनावकर ऑटो रिक्शा पर लगाकर प्रचार भी शुरू कर दिया। उन्होंने ऑटो रिक्शा पर बैनर लगाते जब भी उसको देखना उचित नहीं समझा। वह शहर में लोगों ने टोका-टाकी की तो कहा गलती हो गई। रेवदर शहर में भाजपा के स्थानीय नेता रमेश कोली को पार्टी ने सदस्यता अभियान का विधानसभा का संयोजक नियुक्त कर रखा है। रमेश कोली खुद बीजेपी की टिकट के लिये दावेदारी जता रहे हैं। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में अपने पिताजी के फोटो को हटाव देते। इस तरह से भाजपा की घटनाओं से पार्टी के आंतरिक झगड़ा बढ़ते हैं और कार्यकर्ताओं में अविश्वास की भावना पनपती है। इस तरह की घटनाओं को नहीं रोक पाना भाजपा संगठन की एक बड़ी कमजोरी मानी जा रही है। संगठन से जुड़े लोगों द्वारा ही अफवाह फैलाने कि घटना से पार्टी की हवा खराब हो रही है। इन घटनाओं से लगता है कि राजस्थान के भाजपा नेताओं में आपसी तालमेल की कमी है तथा सभी नेताओं में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ मची हुई है। ऐसी होड़ में पार्टी के नेताओं द्वारा अक्सर ऐसी गलतियां हो जाती हैं जो पार्टी के लिए शर्मिंदगी का कारण बन रही हैं।

भाजपा में अंदरूनी टांग खिंचाई शुरू हो गई है। जिन लोगों के नाम संगठित पैल में शामिल नहीं किए गए वह लोग भाजपा मुख्यालय पर जाकर धरने प्रदर्शन करने लगे हैं इससे पार्टी का माहौल खराब हो रहा है। कठने को तो हर विधानसभा क्षेत्र में कार्य कर रहे विस्तारक संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं मगर उनके द्वारा फर्जी पैल बनाकर वायरल करने की घटना से पार्टी की हवा खराब हो रही है। इन घटनाओं से लगता है कि राजस्थान के भाजपा नेताओं में आपसी तालमेल की कमी है तथा सभी नेताओं में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ मची हुई है। ऐसी होड़ में पार्टी के नेताओं द्वारा अक्सर ऐसी गलतियां हो जाती हैं जो पार्टी के लिए शर्मिंदगी का कारण बन रही हैं।

आलेख:-  
रमेश सर्राफ़ धमोरा

आलेख:-  
रमेश सर्राफ़ धमोरा

आलेख:-  
रमेश सर्राफ़ धमोरा

आलेख:-  
रमेश सर्राफ़ धमोरा

आलेख:-  
रमेश सर्राफ़ धमोरा

आलेख:-  
रमेश सर्राफ़ धमोरा

आलेख:-  
रमेश सर्राफ़ धमोरा







